कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602 AISHE Code : C-21647

दुर्ग, दिनांक : 02/04/2025

// प्रेस विज्ञप्ति //

गर्ल्स कॉलेज में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजन

शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। आमंत्रित अतिथि डॉ. अंशुमाला चंदनगर सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र) शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग द्वारा ''भारतीय अर्थव्यवस्था एवं ग्रामीण विकास के नये आयाम'' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा एवं कौशल विकास पर सरकार द्वरा विशेष ध्यान दिया जा रहा है उन्होनें छात्राओं को बताया कि मनरेगा, प्रधानमंत्री ग्रामीण स्वरोजगार योजना, लोक सेवा केन्द्र, प्रधानमंत्री आवास योजना, ई-पंचायत, MSME आदि योजनाओं से भारत का ग्रामीण परिवेश बदल रहा है। भारत में सड़क एवं संचार माध्यम के विकास ने भारत के ग्रामों को बदल कर आधुनिक बना दिया है।

प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का विकसित भारत भारतीय ग्रामीण विकास के बदलते आयाम का ही परिणाम है। ग्रामीण विकास पर ही देश का आर्थिक विकास निर्भर करता है क्योंकि देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा ग्रामों में निवास करता है।

आमंत्रित अतिथि डॉ. अंशुमाला चंदनगर ने अपने व्याख्यान में पूर्व की ग्रामीण अर्थव्यवस्था जिसमें परम्परागत कृषि एवं पशुपालन तथा मानवीय श्रम शक्ति के अधिकाधिक प्रयोग की चर्चा की और उसकी तुलना वर्तमान समय में कृषि में नई तकनीक का प्रयोग, मशीनों का अधिकाधिक प्रयोग, सौर ऊर्जा का प्रयोग आदि का उल्लेख किया।

उन्होनें अपने व्याख्यान में विभिन्न सरकारी योजनाओं का उल्लेख किया जिससे जीडीपी बढ़कर 45.76% तक बढ़ गई है। और ग्रामीण गरीबी में कमी आई है। अधोसंरचना के विकास में ग्रामों की संरचना को बदलकर रख दिया है। जिससे सतत् एवं समावेशी विकास में सहयोग मिला है। कृषि पद्धति में भी एवं समावेशी विकास में सहयोग मिला है। कृषि पद्धति में भी अत्यधिक परिवर्तन दिखाई दे रहा है, अब कृषकों का ध्यान नगदी फसल की ओर बढ़ा है, जैविक कृषि का प्रयोग हो रहा है, कवर क्रॉपिंग, फसल चक्र, एकीकृत कीट प्रबंधन, जल प्रबंधन पर ध्यान दिया जा रहा है जिससे कृषकों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुक्ता बाखला के द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दीपक कश्यप के द्वारा किया गया। व्याख्यान में एम.ए. अर्थशास्त्र की समस्त छात्राओं के साथ अन्य प्राध्यापकगण भी उपस्थित रहे।

टीप- समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

डॉ. रंजना श्रीवास्तव
प्राचार्य
शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर
कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग(छ.ग.)

GPS Map Camera
Durg, Chhattisgarh, India
G.e.road, Raipur Naka, 57pw+wvm, 5 Banglows, Durg, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.187507° Long 81.297223°
27/03/2025 12:37 PM GMT +05:30
Google

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
दुर्ग (छ. ग.)
अर्थशास्त्र विभाग

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
दुर्ग (छ. ग.)
GPS Map Camera
Durg, Chhattisgarh, India
G.e.road, Raipur Naka, 57pw+wvm, 5 Banglows, Durg, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.187508° Long 81.297252°
27/03/2025 12:38 PM GMT +05:30
Google